।। इंसा का रजत जयन्ती समारोह सम्पन्न।।

इंदौर/ इण्डियन सोसायटी आफ आथर्स ;इंसाद्ध नई दिल्ली की रजत जयन्ती समारोह का आयोजन इंदौर इकाई द्वारा होटल अप्सरा में दिनांक 19 दिसम्बर 2010 को माननीय डां.पी.के.मिश्रा,कुलपति,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इंदौर के मुख्य आतिथ्य में किया गया । यह समारोह उद्घाटन एवं साहित्यिक दो सत्रों में सम्पन्न हुआ । उद्घाटन समारोह प्रातः 10.30 मिनट पर माननीय मुख्य अतिथि डां.पी.के.मिश्रा,कुलपति,देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इंदौर एवं डां. एम.सी.नाहटा,अध्यक्ष के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । साहित्यिक सत्र में ऐतिहासिक –पौराणिक साहित्य में नारी विमर्श पर डां. ारद पगारे ने विस्तार से प्रकाश डाला। श्री प्रदीव नवीन ने अपने काव्यपाठ से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। वर्तमान परिपेक्ष मे कहानी वि ाय पर डां.प्रेम कुमारी नाहटा द्वारा अपने वक्तव्य में कहानी की दशा और दिशा पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गयी । वरि ठ लघुकथाकार श्री सुरेश ार्मा ने रंगे हाथ,उसके लिये,अनुकम्पा– नियुक्ति,बहू,रूकावट,मांरल आदि लघुकथाओं का पाठ किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा ,तदोपरान्त लघुकथा–कुछ उलझे कुछ अनसुलझे सवाल वि ाय पर श्री सूर्य कान्त नागर ने लघुकथा के विकास पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए लघुकथा को लेकर उलझे अनसुलझे सवालों का हल प्रस्तुत करने का पूरा प्रयास किया। इंसा,इंदौर चैप्टर के अध्यक्ष एवं रा ट्रीय,उपाध्यक्ष,डां.एम.सी.नाहटा ने अध्यक्षीयएवं स्वागत भा ाण दिया । अतिथियों का स्वागत सर्वश्री एच.पी.वर्मा,श्री वाई.के. गुप्ता, श्री एच.एस.पिठवे,श्री सुरेश पाण्डया,श्रीमती डां.रोमी अग्रवाल एवं श्रीमती डां.सुधा वर्मा द्वारा पु पगुच्छ प्रदान कर किया गया ।

रजत जयन्ती समारोह के इस अवसर पर इंसा पदाधिकारियों / सदस्यों,डां.योगेन्द्र नाथ ाुक्ल,श्री चन्द्रसेन जी विराट,श्री हंसराज भरद्वाज,डां.सरोज कुमार,डां.सोमानी, श्री सनत कुमार,श्री राजेन्द्र भारती श्री राजकुमार कुम्भज,सहित अनेक गणमान्य साहित्यकार/ प्रबुद्धजन, पत्रकारगण एवं अनेक श्रोतागण उपस्थित थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता डां.एम.सी. नाहटा ने किया । संचालन का जिम्मा श्रीमती ज्योति जैन ने बखूबी निभाया । कार्यक्रम के अन्त में श्री नन्दलाल भारती द्वारा आभार प्रर्दशन किया गया ।

स्थान–इंदौर
दिनांक 21.12.2010